सं० ग्रो॰ वि०/एफ०डी॰/246-85/24423.--च्रि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण, सैक्टर-16, फरीदाबाद, के श्रीमिक श्रो महेश मार्का श्रो मोहित कुमार भण्डारी, मकान नं० 360, सैक्टर-19, फरीदाबाद, तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई श्रीद्योगिक विवाद है ;

श्रौर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय ॄहेतु निर्दिष्ट करना ∏वांछनीय समझते हैं ;

इसलिए, सब, सौद्योगिक विवाद सिशितियन, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई जिन्तियों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यवाल इसके द्वारा सरकारी सिधिसूचना सं० 5415-3-अम 68/15254, दिनांक 20 जून, 1978 के साथ पढ़ते हुए सिधिसूचना सं० 11495-जी-अम 57/11245, दिनांक 7 फरवरी, 1958, द्वारा उक्त सिधिसूचना की धारा 7 क सिधीन गठित अम न्यायालय, फरीदाबाद, को विवाद प्रस्त या उससे सुसंगत या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्यायानग्य एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं जो कि उक्त प्रजन्धकों तथा अभिक के बीव या तो विवाद प्रस्त मामला है या विवाद से सुसंगत स्रथवा सम्बन्धित मामला है :---

क्या श्री महेश की सेवाग्रों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार -है ?

सं श्रोविव /एफ बी वे 246-85/24430 -- चूंकि हरियाणा के राज्यताल की राय है कि मैं हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण सैक्टर-16, फरीदाबांद, के श्रीमिक श्री मेहर चार्च पार्का श्री मोहित कुमार भण्डारी, मकान नं 360, सैक्टर-19, फरीदाबाद, तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामने में कोई श्रीधोगिक विवाद है;

भीर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं ;

इसलिये, ग्रब, ग्राँद्योगिक विवाद ग्रधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रवान की गई शक्तियां का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी ग्रधिसूचना सं० 5415 - 3-श्रम 68/15254, विनांक 20 जून, 1978 के साथ पढ़ते हुए ग्राधिसूचना सं० 11495-जी-श्रम-57/11245, विनांक 7 फरेवरी, 1958 द्वारा उनत ग्रधिनियम की धारा 7 के ग्रधीन गठित श्रम न्यायालय, फरीदाखाद को विवादग्रस्त या उससे सुसंगत या उससे संबंधित नीचे लिखा मामला न्यायनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतू निर्दिष्ट करते हैं जो कि उनत प्रबन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या विवाद से सुसंगत ग्रथवा संबंधित मामला है:—

क्या श्री मेहर चन्द की सेवाभ्रों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं तो वह किस राहत का हकदार है ?

सं० ग्रो० वि०/एफ० डी०/246-85/24437.—चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं० हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण सैवटर-16, फरीदाबाद, के श्रीमिक श्री प्रहलाद सिंह मार्फत श्री मोहित क्मार भण्डारी, मकान नं. 360, सैवटर-19, फरीदाबाद तथा इसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई ग्रीदाोगिक [विवाद है;

ग्रीर चंकि हरियाणा के राज्यपाल िवाद को न्यायनिणंय हेतु निर्दिष्ट करना बांधनीय समझते हैं ;

इसलिए, अब, भौद्योगिक विवाद प्रधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रवान की गई शिक्तयों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी श्रिधसूचना सं० 5415-3-श्रम-68/15254, दिनांक 20 जून, 1978, के साथ पढ़ते हुए श्रिधसूचना सं० 11495-जी-श्रम-57/11245, दिनांक 7 फरवरी, 1958, द्वारा उक्त श्रिधसूचना की धारा 7 के श्रिधीन गठित श्रम न्यायालय, फरोदाबाद, को विवादग्रस्त या उससे सुसंगत या उससे सुबंधित नीचे लिखा मामला न्यायनिर्णय एवं पंचाद तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं जोकि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या विवाद से सुसंगत अथवा संबंधित मामला है :—

क्या श्री प्रहलाद सिंह की सेवाधों का, समापन न्यायोचित तका ठीक है? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?